SHRI L. N. MISHRA : So far as the port is concerned, it will have a statutory body to look after it and control the working of this port. So far as the benefit is concerned, the benefit will primarily be that instead of booking their goods in Bombay or taking delivery of the goods, in the case of imports at Calcutta or anywhere, everything, Customs, etc., all will be finalised in Delhi, and they will go by train or by truck for by whatever means to Delhi or wherever they are to be sent, and exports will be made and imports will be received at Delhi. This is the broad scheme. This is the object for which we are having it and I think it should work well.

दिल्ली में रेल का तीसरा प्रस्थान स्टेशन

*414. **श्री मान सिंह वर्मा :†**
श्री ना० कृ० शेजवलकर :
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :
श्री डी० के० पटेल :
श्री लाल आडवाणी :
श्री रत्तन लाल जैन :
सरदार कुमार सं० च० आँग्रे :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली में रेल का एक तीसरा प्रस्थान स्टेशन बनाये जाने का कोई प्रस्ताव है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और वह कब से काम करना आरम्भ कर देगा ?

‡ [THIRD TERMINAL RAILWAY STATION IN DELHI

*414. SHRI MAN SINGH VARMA : ‡
SHRI N. K. SHEJWALKAR :
SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR :
SHRI D. K. PATEL :
SHRI LAL K. ADVANI :
SHRI RATTAN LAL JAIN :
SHRI S. C. ANGRE :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether there is any proposal to construct a third terminal railway station in Delhi ; and

(b) if so, what are the details thereof and by when it will start functioning ?]

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) There is no construction proposal but surveys/investigations are in hand.

(b) Does not arise.

§[**रेल मन्त्रालय में उप मन्त्री (श्री मोहम्मद शफी कुरेशी)** : (क) निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है लेकिन सर्वेक्षण/अनुसंधान का काम हो रहा है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।]

श्री मान सिंह वर्मा : श्रीमन्, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि माननीय मंत्री जी स्वयं इस बात को जानते होंगे कि दिल्ली जंक्शन और नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन की जो कैपेसिटी है वह फुल हो चुकी है और अब जितना ट्रैफिक बढ़ा है और दिन प्रति दिन बढ़ता चला जा रहा है उसको यह कंट्रोल नहीं कर पायेंगे और इसी कारण से जनता के द्वारा इस बात की मांग बराबर होती रही है कि तीसरा कोई स्टेशन बनना चाहिए और मैंने समाचार पत्र में भी यह पढ़ा था कि शायद रामाकृष्णपुरम में तीसरा रेलवे स्टेशन खोलने की योजना बनायी जा रही है । किन्तु आज माननीय मंत्री जी के उत्तर से पता लगा कि ऐसी कोई योजना उनके सामने नहीं है । यदि नहीं है तो क्या इस बात को देखते हुए कि ट्रैफिक की दिल्ली में कठिनाई है, सराय रुहेला में चेतक एक्सप्रेस को रोक दिया जाता है और चेतक से आने वाले व्यक्ति को अगर फ्रांटियर मेल पकड़नी हो तो उसको टैक्सी में 8 या 10 रुपये देने पड़ते हैं और वर्षा काल में तो 20 रुपये भी देने पड़ सकते हैं । तो इस तरह की कठिनाइयां चल रही हैं । तो मैं जानना चाहता हूं कि इन कठिनाइयों को सामने रखते हुए क्या मंत्री जी इस बात पर गौर नहीं कर सकते कि दिल्ली में तीसरा टर्मिनल स्टेशन बनना चाहिए ?

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Man Singh Varma.
‡[ ] English translation.
§ Hindi translation.

شری محمد شفیع قریشی : جیسا کہ میں نے اپنے جواب میں کہا ہے مانئیے سدسیہ نے پوچھا ہے کہ کنسٹرکشن پرپوزل کوئی زیر غور ہے اس کے لئے میں نے کہا کہ نہیں - لیکن سروے چل رہا ہے - اس بات کا پورا احساس ہے کہ دہلی اور نئی دہلی میں اب پسینجروں کی تعداد اتنی بڑھ گئی ہے اور ٹرینس کی تعداد اتنی بڑھ گئی ہے کہ تھرڈ ٹرمینل ضروری ہوگیا ہے اور اسی چیز کو مدنظر رکھتے ہوئے ابھی تک دو جگہوں کا، پٹیل نگر اور برار اسکوائر کے لئے، سروے کا کام چل رہا ہے -

†[**श्री मोहम्मद शफी कुरेशी :** जैसा कि मैने अपने जवाब मे कहा है, माननीय सदस्य ने पूछा है कि कस्ट्रक्शन कोई जेरे गौर है, इसके लिए मैने कहा है कि नही। लेकिन सर्वे चल रहा है। इस बात का पूरा एहसास है कि दिल्ली और नई दिल्ली मे पैसेजरो की तादाद इतनी बढ़ गई है और ट्रेन्स की तादाद इतनी बढ़ गई है कि थर्ड टर्मिनल जरूरी हो गया है और इस चीज को मद्दे नजर रखते हुए अभी तक दो जगहो का, पटेल नगर और बरार स्क्वायर के लिये, सर्वे का काम चल रहा है]

श्री मान सिंह वर्मा : क्या माननीय मंत्री जी यह बतला सकेगे कि यह सर्वे का काम कब तक समाप्त हो जायगा और इसके पश्चात् इस प्रोपोजल को कब तक कार्यान्वित किया जायगा। और दूसरे मैं यह जानना चाहूंगा कि रिंग रेलवे चलाने का जो प्रोपोजल है उस रिंग रेलवे के बनने के पश्चात् क्या उसको सराय रुहिल्ला से कनेक्ट किया जायगा ?

شری محمد شفیع قریشی : جیسا کہ یہ رینگ ریلوے کا نام دیا جاتا ہے تو وہ دہلی اوائیڈنگ لائین ہے جس سے کہ وہ دلی سے باہر چلائی جائے - اس کو سرائے روہیلا سے ملانے کے لئے فی الحال کوئی تجویز نہیں ہے اور جو ٹریفک بڑھ رہا ہے اس کے متعلق سروے ضروری ہے اور مانئیے سدسیہ کو بتانا چاہتا ہوں کہ میٹروٹرانسپورٹ پروجیکٹ ہے - اور میرا خیال ہے کہ وہ سروے 73ء تک کمپلیٹ ہوجائیگا اسکے بعد اس پر کام کیا جائیگا -

†[**श्री मोहम्मद शफी कुरेशी .** जैसाकि यह रिंग रेलवे का नाम दिया जाता है, तो यह दिल्ली अवायडिंग लाइन है जिससे कि वह दिल्ली के बाहर चलाई जाये। इसको सराय रोहिल्ला से मिलाने के लिए फिलहाल कोई तजवीज नहीं है। और जो ट्राफिक बढ़ रहा है इसके मुत्तल्लिक सर्वे जरूरी है और माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि मैट्रो ट्रान्सपोर्ट प्रोजेक्ट है, और मेरा ख्याल है कि वह सर्वे 1973 तक कम्प्लीट हो जायेगा। इसके बाद इस पर काम किया जायेगा।]

श्री लाल आडवाणी : मै मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जब तक कि यह थर्ड टर्मिनल का सर्वे समाप्त हो और वह इम्पलीमेंट हो उससे पूर्व भी दिल्ली और नई दिल्ली के ट्रैफिक को कुछ राहत मिले इस दृष्टि से जो पटेल नगर, सराय, रुहिल्ला, निजामुद्दीन, जैसे बाकी स्टेशन दिल्ली के हैं उनको एक्सपैंड करने का, डेवलप करने का, जिससे कि वहां पर भी यात्री उतर सकें और उनको वहां सुविधा मिल सके इसका कोई प्रोपोजल है। इस दिशा में कोई कदम उठाया गया है ?

दूसरी बात यह कि अभी-अभी जो आपने मैट्रो-ट्रांसपोर्ट प्राजेक्ट रेलवे की बात कही कि उस सम्बन्ध में इस समय सर्वे को चालू किया है तो वह कहां तक पहुंचा है और क्या आशा है कि कब तक हम मैट्रो-रेलवे का सर्वे पूरा कर लेंगे और वह काम मुकम्मल हो जायगा।

شری محمد شفیع قریشی : مانئیے سدسیہ دلی کے نقشہ سے اچھی طرح سے واقف ہیں جن اسٹیشنوں کا انہوں نے ذکر کیا ہے وہ وہاں آل ریڈی موجود ہیں بڑے اسٹیشن ہیں اور وہاں کنجیشن ہے تو نظام الدین اور سرائے روہیلا یا پٹیل نگر اسٹیشنوں کو چھوڑ کر باہر کہیں جاکر تھرڈ ٹرمینل قائم کیا جائیگا - ان کو ایکسپینڈ کیا جائیگا- جہاںتک اس کا سوال ہے کہ اس سے ٹریفک میں کوئی سودھا نہیں ہوگی اور

†[ ] Hindi translation.

نہ ایکسپینشن کا وہاں کوئی ایسا موقعہ ہے۔ جہانتک میٹروپولیٹن ٹرانسپورٹ پروجیکٹ کا تعلق ہے اسکے سروے کا کام ہورہا ہے اندازہ یہ ہے کہ تقریباً 36 کلومیٹر کی اسکی لینگتھ ہوگی کچھ انڈر گراؤنڈ اور کچھ اوور گراؤنڈ اور کچھ سرفیس پر ہوگا کچھ ایلیویٹیڈ ہوگا یہ تخمینہ ہے پکی بات نہیں بتا رہا ہوں لیکن اندازہ یہ ہے کہ 1973 میں اس کا سروے ختم ہوجائیگا اس کے بعد 7 برس تک یہ کام مکمل ہوجائیگا اور اُس پر تقریباً 330 کروڑ روپیہ خرچ ہوگا -

†[श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : माननीय सदस्य दिल्ली के नक्शे से अच्छी तरह वाकिफ है । जिन स्टेशनो का उन्होने जिक्र किया है । वहां आल रेडी मौजूद हैं, बड़े स्टेशन है, और वहां कन्जेशन है । तो निजामुद्दीन और सराय रोहिल्ला या पटेल नगर स्टेशनों को छोड़कर, बाहर कही जाकर, थर्ड टर्मिनल कायम किया जायेगा । इनको एक्सपैंड किया जायेगा । जहा तक इसका सवाल है कि इससे ट्राफिक में कोई सुविधा नही होगी और न एक्सपेंशन का कोई ऐसा मौका वहा हैं, जहां तक मैट्रोपोलिटन ट्रान्सपोर्ट प्रोजेक्ट का ताल्लुक है, उस पर सर्वे का काम हो रहा है । अंदाजा यह है कि तकरीबन 36 किलोमीटर की इसकी लैन्थ होगी, कुछ अंडरग्राउन्ड और कुछ ओवर ग्राउन्ड और कुछ सरफेस पर होगा, कुछ एलीवेटेड होगा । यह तख्मीना है, पक्की बात नही बता रहा हू, लेकिन अंदाजा यह है कि 1973 मे इसका सर्वे खत्म हो जायेगा । इसके बाद सात वर्ष तक काम मुकम्मल हो जायेगा और इस पर तकरीबन 330 करोड़ रुपया खर्च होगा ।]

श्री लाल आडवाणी : जो सवाल पूछा था वह टर्मिनल रेलवे के बारे में नही पूछा था, टर्मिनल रेलवे के बारे में आपका सर्वे चल रहा है लेकिन आज भी ये जो स्टेशन विद्यमान हैं वहां सुविधायें न होने के कारण यात्रियो को नई दिल्ली और ओल्ड दिल्ली उतरना पड़ता है, तो जो अगर यहा पर ट्रैफिक उतरेगा तो वहा राहत मिलेगी ।

شری محمد شفیع قریشی : جس حد تک ان اسٹیشنوں پر سویدھائیں کی جاسکتی ھیں، یاتریوں کے لئے سویدھائیں کی جاسکتی ھیں وہ تو کیا جارہا ہے -

†[**श्री मोहम्मद शफी कुरेशी** : जिस हद तक इन स्टेशनो पर सुविधाये की जा सकती हैं, यात्रियों के लिए सुविधाये की जा सकती हैं, वो तो किया जा रहा है ।]

EXPORT POLICY RESOLUTION

*415. SHRI KOTA PUNNAIAH :
SHRI SYED AHMAD :
SHRI D. P. SINGH :
SHRI KRISHAN KANT : ‡
SHRI CHANDRA SHEKHAR :
DR. Z. A. AHMAD :

Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether any follow up measures have been taken in pursuance of the Export Policy Resolution ; and

(b) if so, the details in this regard ?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI L. N. MISHRA) : (a) Yes, Sir.

(b) The Export Policy Resolution contains the broad features of the policies that the Government of India would pursue for the realisation of the country's export objectives. It is more in the nature of guidelines rather than a time bound programme of action.

SHRI KRISHAN KANT : Sir, may I know whether the hon'ble Minister is going to have a time-bound programme, as he mentioned, regarding two subjects, namely, compulsory obligation on export and free trade zone ? We know that our textile quota for England is not being fulfilled and we are losing foreign exchange because of that. The Committee on Leakage of Foreign Exchange submitted its report a year back. May I know what action has been taken on the recommendations of this Committee in respect of the Ministry of Foreign Trade because even now, Sir, under-invoicing and over-invoicing is going on ? As an illustration, Messrs. Harbans Lal Malhotra and Sons are

†[ ] Hindi translation.

‡ The question was actually asked on the floor of the House by Shri Krishan Kant.